VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 094059[illegible]5

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Pritesh Rajput

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

निबंध
ESSAY

तारीख
Date

25/08/2023

केंद्र
Centre Vision IAS, 34 PUSA ROAD

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समयः तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

   It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।

   A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।

   Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।

   History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

   The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

   The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

   Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

   Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

[1] "टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में बच्चों का निर्माण करना आसान है।"

आधुनिक मानव तकनीकों से पता चलता है कि मानव सभ्यता का उदय आफ्रीका महाद्वीप से हुई है. फिर आफ्रीका अपने कोख से जन्में बच्चों को पूरे विश्व में फैलाई। अपने अस्तित्व की प्राप्ति के बाद से ही मानव अपना विकास कर रहा है इस संदर्भ में आफ्रीका वर्तमान में व्यस्क के स्थिति पर खड़ा है और अन्य देश अभी बाल्यावस्था के चरण में।

किंतु आफ्रीका की वर्तमान परिस्थिति पर नजर डालें तो अवस्था के इस वयस्क

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चरण में हमे गरीबी से लेकर रंगभेद, धार्मिक कोलाहल से लेकर देशों के मध्य सीमा विवाद और अनेक बिमारियों से लेकर तख्ता पलट की घटना दिखाई देती है जिसे मरम्मत करने संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य संस्थाओं द्वारा अथक प्रयास किया गया एवं किया जा रहा है किंतु स्थिति जस की तस बनी हुई है।

वहीं बाल्यावस्था के अन्य चरण को देखे जैसे नार्डिक देश तो हमे वहाँ गणतंत्र की सुदृढ़ स्थिति, स्वास्थ्य, शिक्षा, सभ्य समाज और शांति की स्थिति दिखाई देती है, इसका कारण मजबूत बाल्यावस्था में बालक रूपक नार्डिक क्षेत्र का निर्माण रहा है।

उपरोक्त दोनो स्थिति मरम्मत करने और मजबूत बच्चों के निर्माण करने में मजबूत बच्चों के निर्माण को आसान दिखाता है।

यहाँ वयस्क और मजबूत बच्चों का निर्माण शब्द का प्रयोग किया गया है, हमें जानना

होगा की इसके क्या अर्थ है? आखिर क्यों वयस्क की मरम्मत कठिन और मजबूत बच्चों का निर्माण आसान है?

सामान्य अर्थ में वयस्क को मानव के वयस्क जीवन जो 18 वर्ष से अधिक माना जाता है तथा मजबूत बच्चा की स्थिति को 18 वर्ष की उम्र से कम उम्र के समय को लिया जा सकता है यहाँ मजबूत से तात्पर्य मानसिक, आर्थिक, सामाजिक, शारीरिक मजबूती से है।

जिस प्रकार वयस्क व्यक्ति को नया विचार धारा को समझने व उसके अंदर उस विचारधारा के समान व्यवहार लाने अर्थात विचारधारा में मरम्मत कठिन होता है उसी प्रकार समाज में भी नए विचारधारा व नवाचार को लाने पुराने विचारधारा को बदने में अधिक मुश्किल होती है। उदाहरण स्वरूप व्यक्ति और समाज ~~कहीं मजबूत बच्चा के~~ के वयस्क अवस्था में अंतर्जातिय विवाह, लिव इन रिलेशनशीप, तकनीकों की स्वीकार्यता अधिक कठोर जान पड़ता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वहीं बच्चों में इन सबका विकास स्वत: ही समय के साथ या थोड़े कोशिश में आसानी से हो जाता है जैसे आज के बच्चे तकनीकों से शिक्षा, नवाचार की भावनाओं से ओत प्रोत है।

इसका सबसे अच्छा उदाहरण भारत में 'स्वच्छता अभियान' में देखा जा सकता है जहाँ मजबूत बच्चों में स्वच्छता का पाठ आसानी से उत्पन्न हो गया तो वयस्कों को सीखने में अधिक समय लगा।

वयस्क का विस्तृत अर्थ भी है जहाँ इसका अर्थ अर्थव्यवस्था, विचारधारा, राजनीति, धार्मिक, तकनीक आदि हो सकता है। वयस्क अर्थव्यवस्था जो अपने विकास में आगे बढ़ रहा है किंतु तीव्र विकास हेतु मरम्मत की आवश्यकता है जैसे श्रीलंका, बुरुंडी तथा युगांडा के देशों के वयस्क अर्थव्यवस्था के निर्माण करने मरम्मत की आवश्यता को जानकर मरम्मत हेतु प्रयास किया जा रहा है लेकिन कठिनाई बनी हुई है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वहीं अमेरिका, चीन, फ्रांस व ब्रिटेन अपने अर्थव्यवस्था के मजबूत बाल्यवस्था काल में ही निर्माण कार्य को बल देकर आज अपने आर्थिक विकास का डंका ~~बज~~ बजा रहे हैं।

राजनीतिक स्थिति में मरम्मत और निर्माण की कहानियाँ ~~हर पन्नों~~ में इतिहास के पन्नों में बिखरे पड़े है जैसे मौर्य ~~समाज~~ समराज्य का बाल्यवस्था में ही चाणक्य व चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा निर्माण किया गया जो बाद में भारत का पहला केन्द्रीय व विशाल-क्षेत्र वाला राज्य बन सका. ऐसी ही कहानी गुप्त व सल्तनत काल की भी है।

तो वहीं वयस्क साम्राज्य जो औरंगजेब के समय मुगल सम्राज्य में था उसकी मरम्मत आने वाले राजाओं द्वारा नहीं किया जा सका। वर्तमान में भी यही स्थिति दिखती है जहाँ अमेरिका अपने गणतंत्र का विकास कर निर्माण के रास्ते पर चल कर गणतंत्र राज्य का सिरमौर बन गया तो अफ्रीका के देशों में व्यस्क राजनीतिक स्थिति तख्ता पलट के शिकार हैं जिसका मरम्मत करना

मुश्किल आन पड़ रहा है।

विचारधारा में भी व्यस्क व मजबूत बच्चा की स्थिति देखी जा सकती है। यहाँ विचारधारा के संकीर्णता व दृढ़ता को व्यस्क तथा सीखने की भावना और नवीनता को स्वीकार करना मजबूत बच्चा है। हिटलर के मन में यहूदियों के प्रति नफरत व्यस्क रूप ले लिया था जिसका मरम्मत मानवता के विचारधारा से नहीं हो सका और 'जीनोसाइट' मे परिणत हो गया। ऐसा ही ओसामा बिन लादेन का अमेरिका के प्रति और गद्दाफी का जनता के प्रति था।

इसके विपरित गांधी, मंडेला और मार्टिन लूथर किंग जुनियर का विचारधारा मजबूत बाल्यावस्था था जो समय के साथ निर्माण को सरलता से स्वीकार कर लिये। गांधी जी अपने संघर्ष - विराम - संघर्ष का निर्माण किये तो नेल्सन मण्डेला अपने ऊपर ~~हु~~ अत्याचार को मांफी देकर।

हिटलर, ओसामा बिन लादेन, गद्दाफी के व्यस्क मानसिक विचार के विपरित सरल, सहज व

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

बाल्यावस्था रूपेण विचारों के धनी गांधी, मंडेला, मार्टिन लूथर किंग जूनियर के विचारधारा-ओं में निर्माण आसान थी।

तकनीकों में भी जो मशीन बन गये है उनमें परिवर्तन कर नया नहीं बनाया जा सकता या बनाने में अधिक मुश्किलों का सामना करना होगा जैसे एक लैपटाप को सुपर कम्प्यूटर में परिवर्तित करना मुश्किल है वहीं उसके बाल अवस्था में हम किसी भी रूप का निर्माण कर सकते हैं जैसे कच्चे माल से मोबाईल, कम्प्यूटर, लैपटाप, सूपर कम्प्यूटर इत्यादि।

इसी प्रकार बने हुए इमारत का मरम्मत करना अधिक खर्चीला एवं भविष्य में पुन: टूटने के समान होगा तो ~~एक नवीन~~ ~~भवन का~~ नवीन नींव में भवन का निर्माण मजबूत तो रहेगा ही जीवन अवधि भी अधिक होगी। इसी कारण कहा जाता है-
"मजबूत नींव से मजबूत भवन का निर्माण होता है।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

अब हमें यह जानना होगा की आखिर क्यों मरम्मत की तुलना में निर्माण आसान है? टूटे का मरम्मत से आशय जोड़-तोड़ करना, परिवर्तन करने का प्रयास करना है तो वहीं निर्माण से नवीनता का अर्थ है। वयस्कों में अपने रूढ़ि, विचारधारा तथा परम्परा के प्रति लगाव होता है जिसे वे छोड़ना नहीं चाहते तो वहीं बच्चों में सीखने की इच्छा, नवाचारी प्रवृत्ति का भण्डार होता है जो निर्माण के लिये आवश्यक है। इसी कारण यह कथन कहा गया है —

"यदि आपको अपना निर्माण करना है तो बच्चों की तरह सीखना चाहिये।"

टूटे हुए व्यस्क स्वयं में जर्जर एवं खण्डहर के प्रतीक है जिसका मरम्मत कर अल्प कालीन समय के लिये ठीक किया जा सकता है किंतु उनमें दरारें, कमजोरी तथा दृढ़ता का अभाव होगा जो दीर्घकाल में ढह जायेगा क्योंकि —

"टूटे हुए रस्सी को जोड़ने पर गांठ पड़ जाती है।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किंतु क्या हमेशा टूटे हुए वयस्क को मरम्मत करना मजबूत बच्चो का निर्माण करने की तुलना में कठीन है। कभी-कभी यह विपरित भी होता है जैसे समाज का मरम्मत करना ज्यादा आसान है इसके की नवीन समाज का निर्माण करना। राज्य के निर्माण से बेहतर रास्ता राज्य के दुर्गुणों को दूर कर बेहतर बनाना है। व्यक्ति के स्तर पर हम मरम्मत के महत्त्व को देख सकते हैं जहाँ अंगुलीमाल के विचारों का मरम्मत बुद्ध द्वारा किया गया तो अशोक युद्ध की विभीषिका देख अपने विचारों में परिवर्तन कर निर्माण में योगदान दिये।

अत: कहा जा सकता है कि मरम्मत करना वहाँ आवश्यक है जहाँ बाल्यावस्था का चरण निकल गया है किंतु जहाँ हम मजबूत बाल चरण में हैं वहाँ निर्माण के माध्यम से हमें मरम्मत के ऊपर प्राथमिकता देनी चाहिये। मजबूत बाल्यावस्था के विकास

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

से एक नये भविष्य ~~से~~ का अस्तित्व बनाए रखा जा सकता है जिसमें टूटने व मरम्मत करने की आवश्यकता कम होगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

[6] "दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।"

क्विंटस मैक्सिमस फैबियन रोमन सेना का एक सेनापति था, हैनीबाल के युद्ध में रोम सेना की हार महसूस होने लगी थी जिससे सैनिकों में त्रासदी की भावना जन्म लेने लगी थी वे महसूस करने लगे की हार निश्चित है और हमारी त्रासद मृत्यु हो जाएगी, किंतु क्विंटस ने अपने मृत्यु के महसूस करने की स्थिति को त्याग कर

विचार करना प्रारंभ किया और अपने विचार से युद्ध की एक ~~तक~~ नई तरीका निकाला जिससे येमन सेना निश्चित हार को असंभव जीत में परिवर्तित कर दिया. उसका कथन था –

"त्रासद के महसूस को छोड़ो और विचार के प्रकाश को धारण करो।"

यह कहानी विचार से समस्या का समाधान की ओर इंगित करता है जिससे त्रासदी से बचा जा सकता है।

हमें महसूस करने से त्रासदी और विचार करने से कॉमेडी क्यों होता है को जानना होगा। महसूस करने से हम इतिहास को उन कड़े व रूखे पलों को महसूस कर बैठते हैं जो त्रासदी प्रदान करते हैं ये हमारे जहन में बैठ जाते है जो दुःख का कारण बन जाता है। तो वहीं विचार भविष्य के निर्माण की ओर अच्छी स्थिति और प्रसन्नता को व्यक्त करता है। विचार से हम अपनी स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन कर सकते है जो खुशी का कारण बनता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यहाँ त्रासद का अर्थ है दुःख, मृत्यु, पतन, ह्रास व नकारात्मक स्थिति तो वहीं कॉमेडी से तात्पर्य है मानसिक प्रसन्नता, खुशी, सकारात्मक भावना तथा भविष्य में आगे बढ़ने से है।

बुद्ध के दर्शन के अनुसार -

'संसार दुःख मय है।' अर्थात संसार में दुःख ही दुःख है जिसे यदि महसूस करना प्रारंभ कर दें तो यह जीवन निरस और बोझिल हो जाएगा। जैसे विवेकानंद जी को ज्ञान न मिलने पर वे अंधकार में चले गये थे तथा त्रासद को प्राप्त कर लिये थे किंतु जब उनके गुरु द्वारा विचार करने का ज्ञान दिया गया उनका जीवन कॉमेडी अर्थात सकारात्मक व मानव जीवन के लिये सेवा भाव से युक्त हो गया।

विचार करने के महत्व को तकनीक के क्षेत्र में भी देख सकते हैं जहाँ अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से कम्प्यूटर भी विचार करने लगे हैं जिससे कम्प्यूटर के निर्जीव रूपी त्रासद रूप सजीव रूपी कॉमेडी बन

www.visionias.in

गया है।

यदि हम 1929 के महा संकट (आर्थिक) और 2008 के आर्थिक मंदी को महसूस करें तो यह आर्थिक त्रासदी लगने लगता है किंतु यदि विचार करें तो यह हमें नई आर्थिक दिशा प्रदान किया यही विचार भारत की आर्थिक वृद्धि का भी है जो 5 ट्रिलियन डॉलर के विचार के साथ 140 करोड़ भारतीयों को प्रसन्न करती है।

व्यक्तित्व में भी यही स्थिति दिखाई देती है जैसे नेल्सन मण्डेला जी द्वारा जो रंगभेद की स्थिति को महसूस किया गया यदि उसी महसूस को राष्ट्रपति बनने के बाद भी बनाए रखा जाता तो रंगभेद ~~करन~~ किये व्यक्तियों के लिये त्रासद होता किंतु उन्होंने विचार को अपनाकर रंगभेद शोषण करने वालों को माफ कर दुनिया में सकारात्मक विचार स्थापित किये। मंडेला जी का कथन है—

"यदि मैं भी इन लोगों को सजा दूँ तो मेरे और इनमें अंतर क्या रहेगा।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्यावरण के क्षेत्र में यदि हम महसूस करें कि वायु, जल, मिट्टी इत्यादि की गुणवत्ता कम हो रहा है तो यह हमें निराशा में डाल देती है लेकिन जैसी ही विचार करते हैं कि UNFCC व SDG के लक्ष्य को प्राप्त करने पूरा देश व विश्व कार्यरत है तो यह हमें सुखद अनुभव प्रदान करता है।

~~कलंक~~ समाज में व्याप्त साम्प्रदायिक, जातिवाद, वर्णवाद, भेदभाव, लैंगिक शोषण इत्यादि को महसूस करने पर हम अपने को त्रासदी के निकट पाते है, यह लगने लगता है कि जीवन व्यर्थ है किंतु जब सकारात्मक सकून, समाज में उत्पन्न होते सकारात्मक व परिवर्तनकारी विचारधारा, भेदभाव का अंत, अंतर्जातीय विवाह को मान्यता मिलना, दलितों का सम्मान करना इत्यादि विचारधारा से हम सकारात्मकता को प्राप्त करते हैं।

इतिहास के युद्धों की घटनाओं को महसूस करे तो हम अपने को धिक्कारते हैं कि आज के लिये कल के मानव ने कैसे-कैसे क्रूर घटनाओं को अंजाम दिया है किंतु यदि यह

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विचार करें कि इतिहास से हम सीख सकते हैं तथा भविष्य को एक उन्नत भविष्य बनाने में सहायक हो सकता है तो यह हमें कॉमेडी लगने लगता है।

महसूस करने से हम पुराने व प्रचलित स्थितियों तक ही सीमित रह जाते हैं किंतु विचार करके नए तकनीक, नवाचार तथा नया सिद्धांत सृजित कर सकते हैं। न्यूटन द्वारा गुरुत्वाकर्षण की खोज करना, आइस्टीन द्वारा सापेक्षता का सिद्धांत, एडीसन द्वारा बल्ब का अविष्कार सभी विचार की ही देन है जो आज हमें कॉमेडी के रूप में आवश्यकता की पूर्ती करता है। ~~आव~~ आवश्यकता एक रूप में विचार को बढ़ावा देता है और आवश्यकता से अविष्कार होता है –

"आवश्यकता अविष्कार की जननी है।"

महसूस करने से क्या हमेशा त्रासदी होती एवं विचार करने से कॉमेडी? नहीं कभी-कभी महसूस करना सकारात्मक भी होता है और विचार करना त्रासद।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जीव-जंतुओं के दर्द व संघर्ष को महसूस करके ही हम उनके प्रति कार्य कर सकते हैं। मदर टेरेसा जी द्वारा गरीबों अनाथों के दर्द से अपने आपको संयोग कर लिया गया जिससे उनके अंदर करुणा, समानुभूति उत्पन्न हुआ और वे गरीबों व अनाथों के सेवा में लग गये।

डॉ. अंबेडकर स्वयं दलित थे और वे दलित के दर्द को महसूस ही नहीं किये बल्कि जिये भी जिससे दलितों के शोषण के विरुद्ध समाज में विद्रोह कर दलितों के लिये अधिकार की मांग रखे। महसूस करने के विषय पर एक कवि ने कहा है-

"आइये महसूस किजिए जिंदगी के ताप को,
ले चलूं मैं चमारों की गली में आपको।"

अर्थात् महसूस करके हम अपना विरोध व परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं जिससे हमें सकारात्मक परिणाम मिलता है और दुनिया जॉमेडी हो जाता है।

इसके साथ ही विचार से हमेशा जॉमेडी नहीं मिल सकता। जैसे यदि किसी शासक, सरकार,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

या नेता अस राज्य की सीमा विस्तार के विचार से युद्ध किया जाये तो मानवता त्रासदी की ओर जाता है। दुनिया को अपनी मुट्ठी में रखने के विचार से परमाणु बम का आविष्कार किया जाए तो दुनिया का अंत निश्चित हो जाएगा।

यदि यह विचार करें की कि तकनीक मानव सभ्यता का अंत कर सकती है, रोजगार छिन सकता है, मानव के विकास को रोक सकता है तो हम कभी कॉमेडी रूपी प्रसन्नता एवं नवाचार को प्राप्त नहीं कर पाएंगे।

अतः कहा जा सकता है कि त्रासदी और कॉमेडी महसूस करने और विचार करने दोनों से हो सकता है किंतु विचार हमें असीमित क्षेत्र के साथ अपने ज्ञान को विस्तृत करने का अवसर देता है जिससे नई-नई संभावनाओं का जन्म होता है तो वहीं महसूस करना करूणा, दया का भाव पैदा करता है सीमितता के साथ जन कल्याण की भावना प्रदान करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हमें भविष्य को त्रासदी से बचाकर सम्भावनाओं की ओर ले जाने असीमित सोच की आवश्यकता है जो विचार हमें प्रदान करता है। मानव के अतीत, वर्तमान व भविष्य की स्थिति पर विचार कर भविष्य का निर्माण करने का संदेश रामधारी सिंह दिनकर जी द्वारा कुछ इस प्रकार दिया गया है —

"क्या थे हम, क्या हो गये हैं और क्या होंगे अभी
आओ मिलकर विचार करें हम सभी।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

दुनिया उन लोगों के लिये त्रासदी है

भूमिका → विंस्टन मैक्सिमस फ्रैबियस

महसूस पर त्रासदी — विचार करने पर कॉमेडी

→ इतिहास से दर्द

समाचार उद्देश्य की प्राप्ति
तकनीक ↳ APJ

→ अपना दर्द
→ अधिकतर महसूस ज्यादा
→ भविष्य की घटना
→ भूतकाल की घटना
→ हिटलर द्वारा महसूस
यहूदी → क्रूर
→ नेल्सन मंडेला द्वारा किया
रंगभेद, शांति का

→

महसूस करो ताप को ---
दर्द की भावना

last → हम क्या थे
विचारने के लिये

→ 2008 / 1928-29 त्रासदी
अर्थव्यवस्था

→ ST $ की सोच कॉमेडी है
प्रसन्नता

→ आतंकवाद → 100 मिलि
→ 25 मिलि
→ गरीबी → 29 करोड़
→ 14 करोड़
→ पर्यावरण < ओजोन, CH_4
→ कम प्रभाव

दोनों का अंतर्संबंध

महसूस करके → प्रेम, दया, करुणा
→ प्रसन्नता → गांधी जी, MLKJ
→ सावित्री बाई फुले
→ बचपन बचाव कैलाश सत्यार्थी
→ मदर टेरेसा

नई स्फीति

क्या है अर्थ

SPACE FOR ROUGH WORK

मरम्मत ←→ टूटे हुए वयस्क की मरम्मत → मजबूत बच्चों का निर्माण
क्यों
मुश्किल

क्या
आसान कैसे

माफ्रीका में मानव का जन्म

समय के साथ शोषण
कुपोषण
अनेक यातनाएं

यूरोप नार्डिक देश
निर्माण
मानव विकास सूचकांक
शांति
मनोरंजन
स्वास्थ्य

दिल्ली
चौर्य युद्ध

प्रशासन

टूटे हुए वयस्क : सामान्य अर्थ प्रशासन
विस्तृत अर्थ

श्रीलंका
पाकिस्तान के अर्थव्यवस्था राजनीति → AFN
म्यांमार

नए राज्य का निर्माण
आसान

अफ्रीका के देश गणतंत्र
चीन

इतिहास ← टूटे हुए का पुनः
मुश्किल → औरंगजेब के बाद

विचारधारा

वयस्क
अफ्रीका
रूस
श्रीलंका
नेपाल
पूर्वाग्रह पाकिस्तान
हिटलर
ओसामा

बच्चा
अर्थव्यवस्था → यूरोप
चीन, रूस
राजनीति
गणतंत्र → अमेरिका
विचारधारा ← दार्शनिक → गांधी
विवेकानंद
MLKJ
मंडेला
भगत

LinR
अंतर्राष्ट्रीय

परिवर्तन नहीं
विवाह, स्त्री -

समाज → बच्चों को सीखा → तनाव बढ़ जाते

स्वीकार
हर भाषा
कष्ट
साम्प्रदायिक

तर्कहीन → जल्दी
धार्मिक → सहिष्णु

SPACE FOR ROUGH WORK

वैज्ञानिक खोजों से यह निष्कर्ष निकला गया है कि मानव की उत्पत्ति सर्वप्रथम अफ्रीकी क्षेत्रों में हुआ है उसके बाद अफ्रीका की क्षेत्र से ~~से~~ अन्य क्षेत्रों में मानव का ~~प्रसार~~ हुआ इसके बाद से मनुष्य लगातार प्रसार + विकास करते जा रहा है ~~एक अर्थ में~~ ~~इस रूप अतः~~ स्पष्ट है अफ्रीका महाद्वीप मानव इतिहास के निर्माण का वयस्क ~~रूप में स्थिति~~ के चरण में है किंतु वर्तमान परिदृश्य में यह अफ्रीका ~~सामाजिक भी~~ गरीबी से लेकर बीमारी से ग्रस्त, आर्थिक कमजोरी से लेकर पतन है आंतरिक कोलाहल से लेकर सोमा विवाद में पड़ा हुआ जिसका मरम्मत करने के हमारे प्रयास नाकाम साबित |

किंतु ~~कि~~ मानव विकास के चरण में जो अभी ~~युवा अब~~ मजबूत बल्ल अवस्था को दर्शाती मार्डेन रेखा भी है जिसे मरम्मत के स्थान पर प्रारंभ से निर्माण करने पर बल दिया जिसका परिणाम हम आज ~~मजबूत~~ मानव शिक्षा, स्वास्थ्य, संबंध प्रभाव, अवसरों की कमी, नागरिक - ~~स्पष्ट है कि यह~~ + ~~दोनों आदर्श से~~ यह दोनों रूप —

~~स्पष्ट दिखाई देता है कि~~